

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग 🌃 -- खण्ड ३--- उपखण्ड (३३)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

#ं० 411]

नई बिहली, ज्ञा तथार, सित्रस्वर 15, 1972/भाष 24, 1894

No. 411]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 15, 1972/BHADRA 24, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलम के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September 1972

S.O. 599(E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) No. S.O. 557(E), dated the 18th August, 1972 the Central Government hereby directs that the powers conferred, on it by section 3 of the said Act to make orders under clauses (c), (d), (f), (h), (i) and (j) of sub-section (2) of that section shall, in relation to the cattle fodder of any of the varieties specified in the Schedule hereto annexed, be exercisable also by the Collectors of Ahmedabad, Amreli, Kutch, Kaira, Gandhinagar, Jamnagar, Junagadh, Danga, Panchmahals, Banaskantha, Broach, Bhavnagar, Mehsana, Rajkot, Baroda, Bulsar, Sabarkantha, Surat and Surendranagar districts of Gujarat State in their respective districts. respective districts.

This order shall come into force on the date of its publication in the Gazette of India and shall remain in force upto and inclusive of the 31st January. 1972.

#### THE SCHEDULE

Varieties of Cattle Fodder

- (i) Hay.
- (ii) Grass.
- (iii) Chara.
- Kadabi. (iv)
- (v) Karab or Karabi.
- (vi) Bhusa.
- (vii) Paddy straw.

[No. 24-4/72-L.D. III.] V. K. MALIK.

Director (A'H,&S,F.),

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

# ब्रधिसूचना

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1972

का ० घा ० 59 9(अ).— ग्रावश्यक वस्तु प्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 5 द्वारा प्रवत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) की प्रिधिसूचना सं० का ० ग्रा० 557 (इ०), तारीख 18 ग्रगम्न, 1972 को प्रतिष्टित करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेण देती है कि उक्त श्रिधिनियम की धारा 3 बारा, उस धारा की उपधारा (2) के खण्ड (ग), (घ), (च), (ज), (झ) ग्रौर (ठा) के ग्रधीन ग्रावेग देने के लिये, उसको प्रवत्त गिक्तयां इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी भी किस्म के पश्चारे के सम्बन्ध में, गुजरात राज्य के ग्रहमदाबाद, ग्रमरेली, कच्छ, कैंग, गांधीनगर, जामनगर, जूनागढ़, डांग, पंचमहल, बनासकांठा, भड़ौच, भावनगर, मेहसाना, राजकोट, बड़ौदा, बुलशर, सबरकांठा, सूरत ग्रौर सुरेन्द्रनगर जिलों के कलक्टरों बारा भी ग्रपने-ग्रपने जिलों में प्रयोक्तव्य होंगी।

यह भ्रादेश भारत के राजपत्न में इसके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा भ्रौर 31 जनवरी, 1973 तक, जिसमें यह सम्मिलिति है, प्रवृत्त रहेगा ।

पण्चारे की किस्में :---

- (j) सूखी घास ।
- (ii) धास ।
- (iii) चारा।
- (iv) कड़वी।
- (v) कर्वयाकर्वी।
- (vi) भूसा।
- (v∄) धान का पुत्र्याल ।

[सं० 24-4/72-एल० डी० III]

वि० कु० मनिक,

निदेशक (ए० एच० और एस० एफ०)।